<u>लोकसभा</u>

तारांकित प्रश्न संख्या *181

02 दिसंबर, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्र

***181. श्री धर्मवीर सिंहः**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में इस्पात संयंत्रों की कुल संख्या कितनी है और उन इस्पात संयंत्रों के नाम क्या हैं जिन पर वर्तमान में कार्य चल रहा है;

(ख) क्या सरकार का रोजगार सृजित करने/ बढ़ाने के लिए निकट भविष्य में हरियाणा में नए इस्पात संयंत्रों की स्थापना करने का विचार है;

(ग) यदि हां, तो उक्त संयंत्रों की स्थापना कब तक किए जाने की संभावना है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या विगत कुछ वर्षों के दौरान इस्पात के आयात में वृद्धि हुई है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और घरेलू बाजार एवं स्वदेशी इस्पात पर इसका क्या प्रभाव पड़ा है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क) से (ङ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

"इस्पात संयंत्र" के बारे में श्री धर्मवीर सिंह, संसद सदस्य द्वारा लोक सभा में दिनांक 02 दिसंबर, 2019 को उत्तर देने के लिए पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *181 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): देश में इस्पात संयंत्रों की कुल संख्या 977 है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ के नगरनार के एनएमडीसी इस्पात संयंत्र में कार्य चल रहा है, जो सीपीएसई की ग्रीनफील्ड परियोजना है।

(ख) और (ग): जी नहीं। इस्पात एक नियंत्रण मुक्त क्षेत्र है जिसमें बाजार की शक्तियों तथा वाणिज्यिक महत्व के आधार पर नए इस्पात संयंत्रों के निर्माण एवं स्थान के बारे में निर्णय लिया जाता है।

(घ): जी हाँ। परंतु भारत चालू वर्ष में एक शुद्ध निर्यातक बन गया है।

(ङ): इस्पात के आयात में विगत तीन वर्षों में मामूली वृद्धि हुई है, अर्थात वर्ष 2016-17 के 7.23 मिलियन टन की तुलना में वर्ष 2018-19 में 7.83 मिलियन टन का आयात किया गया है, जैसा कि तालिका में दर्शाया गया है:-

इस्पात का आयात (एमटी में)	
वर्ष	**आयात**
2016-17	7.23
2017-18	7.48
2018-19	7.83
2019-20 (अप्रैल-सितंबर 2019)	4.02

स्रोत: जेपीसी

ऐसे आयातों के बावजूद घरेलू उत्पादन में निरंतर वृद्धि हुई है। चालू वर्ष में देश एक शुद्ध निर्यातक है। सस्ते इस्पात का आयात का सामना करने के लिए देश में डंप की जा रही विभिन्न ग्रेड के इस्पात पर एंटी-डपिंग शुल्क लगाया गया है। विनिर्माण क्षेत्र को सहायता प्रदान करने के लिए देश में पर्याप्त मात्रा में निर्मित न होने वाले इस्पात ग्रेडों का आयात आवश्यक है।

****